Machine Translated by Google

सोलविनिंग पर एक संपूर्ण गाइड

1. तैयारी

सुसमाचार का प्रचार करने के लिए जाने से पहले, हमें हमेशा प्रार्थना करने के लिए समय निकालना चाहिए ताकि परमेश्वर हमारा मार्गदर्शन करे, लोगों के दिलों को खोले, और हमारी रक्षा करे, आदि। इसलिए प्रार्थना बहुत महत्वपूर्ण है।

यदि आपके पास यूट्यूब कार्ड या सुसमाचार ट्रैक्ट हैं, तो आप उन्हें लोगों को सौंप सकते हैं जब आप आत्मा को जीत लेते हैं। सुसमाचार के बारे में बातचीत शुरू करने का यह एक शानदार तरीका है।

लोगों से दोस्ताना तरीके से (विशेषकर आमने-सामने), या किसी भी स्थान पर, या घर-घर जाकर (दरवाजा खटखटाकर) लोगों से संपर्क करके सोलविनिंग की जा सकती है। एक आत्मा जीतने वाले साथी के साथ जाना हमेशा सबसे अच्छा होता है, ताकि एक व्यक्ति सारी बातें करे जबकि दूसरा चुपचाप लोगों के धर्मांतरण के लिए प्रार्थना करे।

हमेशा ध्यान रखें कि केवल परमेश्वर के वचन में ही आत्माओं को बचाने की शक्ति है (प्रचार किए जा रहे छंदों को सुनते समय लोगों के दिलों में पवित्र आत्मा के विश्वास के माध्यम से)।

बाइबल हमें प्रेरितों के काम 4:29 में कहती है: "और अब, हे प्रभु, उनकी धमकियों को देख; और अपने दासों को यह वरदान दे, कि वे तेरा वचन पूरे हियाव से कहें।'' और पद 31 में:" और जब उन्होंने प्रार्थना की थी, वह स्थान हिल गया, जहां वे इकट्ठे हुए थे; और वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और परमेश्वर का वचन निडर होकर कहने लगे। "

हम इस मार्ग में देखते हैं कि परमेश्वर ने प्रेरितों को अपने वचन का प्रचार करने के लिए जो शक्ति दी थी वह इतनी महान थी कि वह स्थान हिल गया! (वही भयानक आध्यात्मिक शक्ति आज हमें केजेवी बाइबिल और हमारे अंदर रहने वाली पवित्र आत्मा के माध्यम से उपलब्ध है।)

रोमियों 10:17: "तो विश्वास सुनने से, और सुनना परमेश्वर के वचन से होता है।"

यह परमेश्वर का वचन है जो हमें बचाता है, और खोए हुए लोगों को किसी ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता होती है जो उन्हें सुसमाचार समझाने के लिए बचाया गया हो। कविता स्पष्ट रूप से कहती है: "विश्वास सुनने से आता है", जिसका अर्थ है कि किसी को बाइबिल से मुक्ति पर स्पष्ट छंदों का उपयोग करके उन्हें सुसमाचार संदेश समझाना होगा।

अंत में, बाइबल के छंदों का उपयोग किए बिना और किसी ऐसे व्यक्ति से छंदों पर स्पष्ट स्पष्टीकरण के बिना किसी को बचाना असंभव है जो पहले से ही सुसमाचार को मानता और समझता है। यह भी ध्यान दें, हमें खोए हुए लोगों के प्रति दया दिखानी चाहिए ताकि हम जिस व्यक्ति तक पहुँचें, वह हमारे प्यार को महसूस करे और उन्हें बचाने की हमारी इच्छा को देखे।

केवल अंग्रेजी भाषा में किंग जेम्स बाइबिल (केजेवी) का उपयोग करने के लिए सावधान रहें। यह अंग्रेजी में ईश्वर का प्रेरित और संरक्षित शब्द है और एकमात्र अनुवाद है जो मूल के लिए 100% वफादार है (ग्रीक में टेक्स्टस रिसेप्टस (बेजा का 1598) और हिब्रू में मासोरेटिक टेक्स्ट (बॉम्बर्ग का 1525)। बाइबल के आधुनिक अनुवाद भ्रष्टाचार से दूषित हैं और किसी को नहीं बचा सकते (भ्रष्ट बीज होने के नाते - 1 पतरस 1:23)।

2. बातचीत शुरू करना (विशेषकर किसी अजनबी के साथ)

एक मुस्कान के साथ अपना परिचय दें - उन्हें बताएं कि आप (और आपका साथी) ईसाई हैं (बैपटिस्ट या बस ''बाइबल-विश्वासियों'' और न कि यहोवा के साक्षी या कुछ पंथ)। उस व्यक्ति से पूछें कि क्या वे ईसाई हैं। उन्हें कुछ ऐसा बताएं: जीवन छोटा है, और हम सब एक दिन मरेंगे। बाइबल कहती है कि मरने के बाद हम दो जगहों में से केवल एक ही जा सकते हैं: स्वर्ग और नर्क। यदि आप आज मर जाते, तो क्या आप 100% सुनिश्चित हैं कि आप स्वर्ग जाएंगे? अगर वह व्यक्ति कहता है कि उन्हें यकीन है कि वे स्वर्ग जाएंगे, तो उनसे पूछें:

"आपको क्या लगता है कि एक व्यक्ति को उद्धार पाने के लिए क्या करना चाहिए (या, आप कैसे जानते हैं)?"

(व्यक्ति को यह कहना चाहिए कि उद्धार केवल मसीह में विश्वास के माध्यम से अनुग्रह से है, और यह कि अनन्त जीवन एक मुफ्त उपहार है)। अन्यथा, उन्हें नीचे दी गई योजना में बाइबल की आयतें दिखाएँ। बाद में

Machine Translated by Google

आपने उन्हें सुसमाचार पढ़ना और समझाना समाप्त कर दिया है, आप यह देखने के लिए विशिष्ट प्रश्न पूछ सकते हैं कि क्या वे उद्धार के बारे में सही बातों पर विश्वास करते हैं (नीचे बिंदु संख्या 5 में प्रश्न पूछें)।

यदि वे 100% सुनिश्चित नहीं हैं, या उनके पास कोई सुराग नहीं है:
उनसे वही प्रश्न पूछें जो पिछले बिंदु में थे ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे क्या मानते हैं कि उन्हें बचाने के लिए क्या करना चाहिए। (याद रखें कि उस व्यक्ति का उत्तर क्या है, इससे आपको प्रस्तुति के अंत में उनसे और प्रश्न करने में मदद मिलेगी।)

फिर कहें, "क्या मैं आपको बाइबल से दिखा सकता हूँ कि आप 100% सुनिश्चित कैसे हो सकते हैं?"
- अगर वे कहते हैं कि उनके पास समय है और रुचि रखते हैं, तो योजना को पढ़ना शुरू करें।
- अगर वे कहते हैं कि उनके पास समय कम है या नहीं, तो उन्हें बताएं: कोई बात नहीं।
क्या मैं आपको सुसमाचार का संक्षिप्त सारांश दे सकता हूँ? (उन्हें त्वरित स्पष्टीकरण के साथ छंद दिखाएं)।
सुसमाचार के 4 भागों को उनके लिए सारांशित करें। (इस दस्तावेज़ का बिंदु 4 देखें)।
यदि व्यक्ति के पास समय नहीं है या उसमें रुचि नहीं है, तो उनके पास एक पद (यूहन्ना 3:36, प्रेरितों के काम 16:31, या रोमियों 10:9) और/
या एक YouTube कार्ड छोड़ दें।

ध्यान दें कि कभी-कभी, भले ही कोई व्यक्ति कहता है कि उन्हें कोई दिलचस्पी नहीं है या उनके पास बहुत समय नहीं है, वे आपके द्वारा एक या अधिक छंद देने के बाद पूरे सुसमाचार को सुनने में रुचि लेंगे। कुछ लोग बहुत शर्मीले होते हैं, इसलिए बातचीत शुरू करने के लिए यूट्यूब कार्ड एक बढ़िया विकल्प है।

3. सुसमाचार प्रस्तुत करने के लिए बाइबिल के छंदों की एक उदाहरण सूची (उन्हें अपनी बाइबिल में हाइलाइट करें)
रोमियों 3:23 (पाप - हर कोई पापी है)
रोमियों 6:23 (पाप के लिए दंड - पद की शुरुआत: "पाप की मजदूरी के लिए मृत्यु है;")
प्रकाशितवाक्य 21:8 (नरक (आग की झील) - सभी ने झूठ बोला है - सभी झूठे नरक में जाते हैं)।
रोमियों 5:8 (मसीह हमारे पापों के लिए मरा - उसने हमारे पापों का दण्ड भोगा)
*(मत्ती 1:21) और (1 यूहन्ना 5:7) - *वैकल्पिक - त्रियेक पर स्पष्टीकरण
*1 यूहन्ना 2: 2 और 1 पतरस 2:24 - वैकल्पिक - सुसमाचार *रोमियों 8:34 -
वैकल्पिक - सुसमाचार
प्रेरितों के काम 16: (30)-31 (मोक्ष के लिए विश्वास ही एकमात्र आवश्यकता है)
इफिसियों 2:8-9 (उद्धार केवल विश्वास के द्वारा बिना कर्म के है)
रोमियों 6:23 (परमेश्वर का उपहार (वचन का दूसरा भाग: "... परमेश्वर का उपहार अनन्त जीवन है ...")
यूहन्ना 3:15-16 (जो कोई मसीह में विश्वास करेगा, वह उद्धार पाएगा)
*तीतुस 1:2 - वैकल्पिक - अनन्त जीवन *यूहन्ना 1:12
- वैकल्पिक - अनन्त जीवन
*जॉन 10: 27-29 - वैकल्पिक - शाश्वत सुरक्षा
रोमियों 10: 9-10 (मसीह की मृत्यु, दफन और पुनरुत्थान में विश्वास। - सुसमाचार)
रोमियों 10:13 (प्रभु का नाम पुकारना/यीशु से उद्धार के लिए प्रार्थना करना)।
प्रत्येक सुसमाचार प्रस्तुति में एक ही छंद (या समान) का उल्लेख किया जाना चाहिए, विशेष रूप से एक सटीक क्रम में। अपनी प्रस्तुति में तार्किक क्रम का पालन करना बहुत महत्वपूर्ण है। जैसे पाप (1), नरक (2), निंदा (3), परमेश्वर के प्रेम (4), सुसमाचार (5), केवल यीशु मसीह (6) में विश्वास के द्वारा मुक्ति, पर छंदों को समूहीकृत करके, मुक्ति एक स्वतंत्र है उपहार और कभी खोया नहीं जा सकता (7)। बेशक, यह एक उदाहरण सूची है, आप अपनी प्रस्तुति के लिए अन्य छंदों का उपयोग कर सकते हैं जो आपको पसंद हैं। कभी-कभी व्यक्ति की रुचि या समझ से मेल खाने के लिए छंदों को अनुकूलित करना भी आवश्यक होता है। आप वैकल्पिक छंदों का उपयोग कर सकते हैं यदि व्यक्ति को किसी निश्चित बिंदु पर अधिक स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। यदि वे जल्दी में हैं तो आप उन्हें त्याग भी सकते हैं।

एक बढ़िया टिप यह है कि आप अपनी बाइबल में या एक चिपचिपे नोट पर आत्मा को जीतने वाले छंदों की एक सूची डालें, जिसे आप पद-दर-कविता से मार्गदर्शन करने के लिए आत्म-विजेता करते समय देख सकते हैं। आप अपनी बाइबिल के हाशिये में अगले छंदों को भी चिह्नित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, रोमियों 6:23 इंच . के आगे

Machine Translated by Google

अपनी बाइबल, प्रकाशितवाक्य 21:8 लिख लें। - ताकि आप जान सकें कि आगे किस पद की ओर मुड़ना है। यह पूरी प्रक्रिया को गति देता है और आपको पढ़ने के लिए अगली कविता का पता लगाने में मदद करता है।
बेशक, स्मृति से छंदों के क्रम को जानना सबसे अच्छी बात है। इसके लिए बहुत सारे दोहराव की आवश्यकता होती है लेकिन यह स्वाभाविक रूप से अनुभव के साथ आएगा।

4. छंदों को विभिन्न बिंदुओं में समूहित करना
1. हम सब पापी हैं और नरक में दण्डित हैं रोमियों 3:23, रोमियों 6:23,
प्रकाशितवाक्य 21:8
ये पद दिखाते हैं कि हम सभी पापी हैं और नरक में दण्डित हैं। कोई अच्छे लोग नहीं हैं और उनके कार्यों से किसी को बचाया नहीं जा सकता है। हम सभी ने झूठ कहा है (रोमियों 3:4) और कुछ गलत किया है इसलिए हम सभी अपने पापों के लिए दण्ड पाने के लिए नरक में जाने के योग्य हैं। परमेश्वर धर्मी है और उसे हमारे पापों का न्याय करना चाहिए। बेशक, भगवान भी हमसे प्यार करता है, इसलिए वह नहीं चाहता कि हम नरक में जाएं- वह हमें हमारे पापों और उनके परिणाम (जो हमेशा के लिए नरक में डालना है) से बचाना चाहता है।

2. परमेश्वर हम से प्रेम करता है, और अपने पुत्र यीशु मसीह के द्वारा हमें छुटकारे की पेशकश करता है
रोमियों 5:8, *(मत्ती 1:21 और 1 यूहन्ना 5:7, 1 यूहन्ना 2:2, रोमियों 8:34 - *वैकल्पिक पद)।
इन छंदों के माध्यम से हम दिखाते हैं कि परमेश्वर पापियों से प्रेम करता है। हम यह भी बताते हैं कि यीशु कौन है: परमेश्वर का पुत्र (जो कुँवारी मरियम से पैदा हुआ था) - और परमेश्वर देह में प्रकट होता है। त्रियेक की व्याख्या करना भी संभव है (1यूहन्ना 5:7)। यीशु परमेश्वर का पुत्र है और वह भी परमेश्वर है। ट्रिनिटी में 3 व्यक्ति होते हैं और एक ईश्वर (पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा) बनाते हैं। इस बिंदु को एक ऐसे व्यक्ति के साथ समझाने के लिए अतिरिक्त समय लें जो नहीं जानता कि यीशु मसीह कौन है। तब हम दिखाते हैं कि यीशु हमारे लिए मरा और उसने हमारे सभी पापों को क्रूस पर उठा लिया। वह

उसने कभी पाप नहीं किया और वह हमारे सभी पापों का भुगतान करने के लिए क्रूस पर मर गया ताकि हमें क्षमा किया जा सके। तब उसे मिट्टी दी गई, और वह तीसरे दिन मरे हुओं में से जी उठा। वे फिर से शारीरिक रूप से उठे और उनके कई शिष्यों ने उन्हें देखा। उसने थॉमस को अपने हाथों के छेद भी दिखाए और उसने साबित कर दिया कि वह जीवित और स्वस्थ है। फिर वह स्वर्ग में चढ़ गया।

सुसमाचार प्रस्तुत करते समय, हमेशा हमारे पापों के भुगतान (प्रायश्चित) के रूप में मसीह की मृत्यु, गाड़े जाने और पुनरुत्थान पर ध्यान केंद्रित करें, क्योंकि यह सुसमाचार का आधार है।
(1 कुरिन्थियों 15:1-4)।

3. उद्धार केवल विश्वास से होता है- बिना काम के प्रेरितों के काम 16: 30-31,
इफिसियों 2: 8-9
इन छंदों के माध्यम से, हम बताते हैं कि कैसे हमें बचाया जा सकता है और हमारे पापों को क्षमा किया जा सकता है। वे दिखाते हैं कि केवल वे ही जो मसीह पर उद्धारकर्ता के रूप में भरोसा करते हैं, अनन्त जीवन प्राप्त करेंगे और स्वर्ग में जाएंगे।
इस बात पर बल दें कि उद्धार केवल प्रभु यीशु मसीह में विश्वास के द्वारा है (हमारे पापों के भुगतान के रूप में सुसमाचार को प्राप्त करने के द्वारा और हमें बचाने के लिए कहने के द्वारा उद्धारकर्ता के रूप में केवल उसी पर अपना सारा विश्वास और विश्वास रखने के द्वारा)। हमारे अपने कार्य हमें नहीं बचा सकते, केवल यीशु ही बचा सकते हैं। हमें अपना सारा विश्वास (विश्वास) केवल मसीह में रखना चाहिए। बहुत स्पष्ट रूप से समझाएं कि उद्धार केवल विश्वास के द्वारा है, न कि हमारे अपने कार्यों के द्वारा (जैसे कि हमारे पापों से, या बपतिस्मा द्वारा, या हमारे जीवन को बदलने से (एक नया पत्ता मोड़ने से), या एक चर्च में शामिल होने से, आदि)। उद्धार केवल परमेश्वर के अनुग्रह से है, न कि हमारे अपने प्रयासों या धार्मिकता के कार्यों के द्वारा। ''विश्वास/विश्वास (भरोसा करने के लिए) और' अनुग्रह'' (अयोग्य एहसान) शब्दों की व्याख्या करें। यह भी समझाएं कि अनन्त जीवन एक उपहार है (और एक उपहार हमेशा मुफ्त होता है) और यह कि इसे प्राप्त करने के बाद इसे किसी भी कारण से कभी नहीं लिया जा सकता है।

4. मोक्ष शाश्वत है और कभी खोया नहीं जा सकता
रोमियों 6:23 (दूसरा भाग), यूहन्ना 3:15-16, *(तीतुस 1:2, यूहन्ना 1:12, यूहन्ना 10: 27-29 *वैकल्पिक)
इन श्लोकों से सिद्ध होता है कि मोक्ष शाश्वत है। भगवान हमेशा अपने वादे रखता है। एक बार जब परमेश्वर एक विश्वासी पापी को बचा लेता है, तो वह हमेशा के लिए बच जाता है। ईश्वर हमें अनंत जीवन का उपहार देता है, अस्थायी जीवन का नहीं।
अनन्त जीवन का अर्थ है ''वह जीवन जो सदा बना रहेगा''। इसके अलावा, एक बार जब हम परमेश्वर की संतान बन जाते हैं, तो हम चाहे कुछ भी करें, हम हमेशा बचाए रहेंगे। एक बार एक बेटा, हमेशा एक बेटा।

Machine Translated by Google

इस तथ्य का व्यावहारिक उदाहरण दीजिए। समझाएं कि अगर हम बचाए जाने के बाद कुछ गलत (जैसे गंभीर पाप) करते हैं, तो भगवान हमें इस धरती पर दंड देंगे, और हम हार जाएंगे
स्वर्ग में पुरस्कार - लेकिन हम अपना उद्धार कभी नहीं खोएंगे। साथ ही, यदि हम बचाए जाने के बाद अच्छे कार्य करते हैं तो हमें पुरस्कृत किया जाएगा। एक बार जब हम उसके बच्चे बन जाते हैं तो भगवान हमें कभी नर्क में नहीं भेजेंगे। बता दें कि मोक्ष (नया जन्म) एक बार की घटना है और अपरिवर्तनीय है।
भगवान पर भरोसा करो। उसने सभी विश्वासियों को हमेशा के लिए बचाए रखने का वादा किया है और वे कभी भी नष्ट नहीं होंगे।
यदि कोई व्यक्ति मानता है कि वे अपना उद्धार खो सकते हैं - तो वे बचाए नहीं जाते।
सुसमाचार प्रस्तुत करते समय श्रोता का ध्यान रखना भी महत्वपूर्ण है। उनसे प्रासंगिक प्रश्न पूछें और सुसमाचार के मुख्य बिंदुओं पर ढेर सारे उदाहरण और दृष्टांत दें। वे तरीके लोगों का ध्यान रखने और यह देखने में मददगार होते हैं कि क्या वे मोक्ष को समझते हैं।

5. सुसमाचार की प्रस्तुति समाप्त होने के बाद पूछने के लिए प्रश्न यह सत्यापित करने के लिए कि व्यक्ति ने स्पष्ट रूप से सुसमाचार को समझा है (इन प्रश्नों को अपनी बाइबिल में या पोस्ट-इट पर लिखें और उन्हें अपने साथ ले जाएं)।

1. क्या आप मानते हैं कि आपने पाप किया है? (रोमियों 3:23, 1 यूहन्ना 1:8)
2. क्या आप विश्वास करते हैं कि यीशु क्रूस पर मरा और आपके पापों का भुगतान करने के लिए फिर से जी उठा? (1 यूहन्ना 2:2)
3. जो कुछ मैंने आपको बाइबल में दिखाया है, उसके अनुसार आप क्या मानते हैं कि उद्धार पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? (विश्वास (विश्वास) मसीह में उद्धारकर्ता के रूप में - प्रेरितों के काम 16:31, रोमियों 10:9)
4. क्या आप मानते हैं कि केवल मसीह पर भरोसा करना काफी अच्छा है या क्या आप मानते हैं कि हमें बचाए जाने के लिए कुछ और भी करना चाहिए (जैसे अच्छे काम, अपने पापों से पश्चाताप करना, बपतिस्मा लेना, आदि)?
(केवल विश्वास/विश्वास ही काफी है। कर्म हमें बचा नहीं सकते। रोमियों 4:5, इफिसियों 2:8-9)।
5. क्या आप मानते हैं कि आप अपने उद्धार को खोने के लिए कुछ भी कर सकते हैं? (नहीं-अनन्त जीवन एक मुफ्त उपहार है जिसे एक बार प्राप्त करने के बाद कभी नहीं लिया जाएगा - यूहन्ना 10:27-28)।

प्रश्नों के उत्तर कोष्ठक में हैं (समान उत्तर स्वीकार करें)। उस व्यक्ति को दिखाएँ कि एक बार विश्वास करने के बाद वे अपना उद्धार कभी नहीं खो सकते, यहाँ तक कि एक गंभीर पाप के द्वारा भी नहीं।

सवाल पूछना जरूरी है! यदि आप प्रश्न नहीं पूछते हैं, तो आप नहीं जान पाएंगे कि व्यक्ति सुसमाचार को समझता है या नहीं। साथ ही, आप यह नहीं जान पाएंगे कि क्या वह व्यक्ति वास्तव में इस पर विश्वास करता है या यदि उन्हें सुसमाचार के किसी विशिष्ट भाग पर अतिरिक्त छंदों या अतिरिक्त स्पष्टीकरण की आवश्यकता है।

यदि व्यक्ति ने प्रत्येक प्रश्न का सही उत्तर दिया है, तो अगले चरण पर जाएँ। यदि व्यक्ति ने किसी एक प्रश्न का गलत उत्तर दिया है, तो उन्हें अपना विचार बदलने के लिए अतिरिक्त छंद (या कोष्ठक में छंद) दिखाएं। यदि आपके द्वारा कई अन्य आयतें दिखाए जाने के बाद भी व्यक्ति तथ्यों को स्वीकार नहीं करता है, तो उन्हें तुरंत उपदेश देना बंद कर दें और चले जाएं। (आप अभिमानी व्यक्तियों के साथ बहस करने में अपना समय बर्बाद नहीं करना चाहते हैं - वहां पहुंचने के लिए बहुत से अन्य लोग हैं)। उन बिंदुओं को अच्छी तरह से समझाएं जिन्हें व्यक्ति गलत उत्तर देने पर समझ में नहीं आता है। आवश्यकतानुसार अतिरिक्त छंद दिखाएं।

ध्यान दें कि कुछ लोगों को अंततः बचाए जाने से पहले इसमें अधिक समय और अधिक स्पष्टीकरण लग सकता है - आपको कभी-कभी धैर्य रखना होगा। यदि व्यक्ति को सुसमाचार सुनने में कोई दिलचस्पी नहीं है (यदि वे ध्यान नहीं देते हैं या सुसमाचार को अस्वीकार नहीं करते हैं) तो बातचीत को रोकने में संकोच न करें।

6. प्रभु के नाम से पुकारना (यीशु से उद्धार के लिए प्रार्थना करना)
(इसे अपनी बाइबिल में या एक पोस्ट पर नोट करें- इसे आत्मा जीतने पर ले जाने के लिए)

Machine Translated by Google

प्रार्थना करने से पहले, व्यक्ति के पहले उत्तर की समीक्षा करना अच्छा है कि वे क्या मानते हैं कि उन्हें बचाने के लिए क्या करना है (पहले स्थान पर - प्रस्तुति शुरू होने से पहले), ताकि
जांचें कि क्या व्यक्ति ने वास्तव में अपना मन बदल लिया है। यह कदम दिखाएगा कि व्यक्ति ने वास्तव में पश्चाताप किया है या नहीं। उदाहरण के लिए, उस व्यक्ति को याद दिलाएं कि वे पहले क्या मानते थे और उनसे पूछें कि क्या उन्होंने अब अपना मन बदल लिया है। यह आपको यह देखने की अनुमति देगा कि क्या उन्होंने संदेश को अच्छी तरह से समझा है। फिर प्रार्थना के लिए आगे बढ़ें। यह बिंदु बहुत महत्वपूर्ण है: यह सुसमाचार की प्रस्तुति का महत्वपूर्ण मोड़ है। मोक्ष के लिए व्यक्ति को प्रभु के नाम से पुकारने के लिए प्रोत्साहित करें। आप इस चरण के लिए रोमियों 10:9-10 को उद्धृत कर सकते हैं। को समझाएं

जो व्यक्ति अपने मुंह से स्वीकार (मांगना) करता है और अपने दिल में विश्वास करता है, उसका परिणाम मोक्ष होगा। उन्हें बताएं कि इस प्रार्थना का लक्ष्य उनके लिए यीशु को यह बताना है कि वे उद्धार के लिए उस पर अपना पूरा भरोसा रखकर उस पर विश्वास करते हैं। यह उल्लेख करने में सावधानी बरतें कि बिना विश्वास किए प्रार्थना करने से वे नहीं बचेंगे और व्यर्थ है।

मुक्ति की पेशकश स्वतंत्र रूप से की जाती है और उन लोगों को गारंटी दी जाती है जो प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार में विश्वास करते हैं।

व्यक्ति के साथ निम्नलिखित प्रार्थना करना शुरू करें (उन्हें प्रत्येक पंक्ति को अपने बाद दोहराएं)।
- प्रिय यीशु,
- मुझे पता है कि मैं एक पापी हूँ,
- मुझे पता है कि मैं नरक में जाने के लायक हूं,
- लेकिन मुझे विश्वास है कि आप क्रूस पर मरे...
- दफनाए गए, और मेरे सभी पापों का भुगतान करने के लिए फिर से उठे,
- कृपया मुझे अभी बचा लें और मुझे अनन्त जीवन दें।
- मैं केवल आप पर ही उद्धार के लिए भरोसा कर रहा हूं, न कि अपने कामों के लिए। -
मुझे बचाने के लिए धन्यवाद। यीशु के नाम में, आमीन।

आत्माविजय का अंत
उस व्यक्ति को बताएं कि यदि उन्होंने उद्धार के लिए उसे बुलाकर ईमानदारी से मसीह पर विश्वास किया, तो उनके पास अब अनन्त जीवन है। उन्हें पढ़ें 1 यूहन्ना 5:13 या रोमियों 5:1 और उनसे प्रश्न पूछें: यदि आप अभी मर जाते, तो आप कहाँ जाते? (उत्तर: स्वर्ग) - और अब तुम कहाँ नहीं जा सकते? (उत्तर: नरक)। उस व्यक्ति के साथ आनन्दित हों यदि उन्होंने प्रभु के नाम का आह्वान किया और सभी प्रश्नों का सही उत्तर दिया। उन्हें बताएं कि यदि वे मसीह पर विश्वास करते हैं, तो वे हमेशा के लिए बच जाते हैं और परमेश्वर के वचन के अनुसार, वे मरने पर स्वर्ग जा रहे हैं। उनके पास अब अनन्त जीवन है। फिर संक्षेप में ईसाई जीवन के मुख्य बिंदुओं को कवर करें: बाइबल पढ़ना, बपतिस्मा, एक अच्छे चर्च में जाना, ईश्वर के लिए कार्य करना आदि। कार्य निश्चित रूप से मुक्ति के लिए नहीं हैं, लेकिन वे केवल स्वर्गीय पुरस्कार प्राप्त करने और प्राप्त करने का एक साधन हैं। लोगों ने बचाया। प्रकाशितवाक्य 1:3 बाइबल पढ़ने और याद रखने के लिए एक महान पद है (साथ ही यहोशू 1:8-9 और भजन 1)। उन्हें एक यूट्यूब कार्ड या एक चर्च आमंत्रण दें। -

सोलविनिंग के वीडियो उदाहरणों के लिए: https://allthepreching.com ।
मूल रूप से EnChristEstLaVie.com से पियरे पॉल द्वारा फ्रेंच में लिखा गया है (फ्रेंच में यूट्यूब चैनल :) https://www.youtube.com/channel/UCPCu0Lco3qf2MIUSL7JPo8g

कृपया इस दस्तावेज़ को अपनी भाषा में साझा करें और अनुवाद करें - धर्मी का फल जीवन का वृक्ष है; और वह जो आत्माओं को जीत लेता है वह बुद्धिमान है। (नीतिवचन 11:30)। मसीह में आशीषें!